

फिकर फिर क्या करना

फिकर फिर क्या करना सिर पर सीताराम,
तेरे बिगड़े बनेगे काम, फिकर फिर क्या करना....

पितु रघुबर श्री जानकी मैया, फिर क्यों परेशान हो भैया,
तेरे कटेगे कष्ट तमाम्, फिकर फिर क्या करना....

जो जन रामकथा सत्संगी, उनके सहायक श्री बजरंगी,
अतुलित बल के धाम फिकर फिर क्या करना.....

अगर प्रभु मन मानी करेगे नही शरनाघत पीड़ हरेगे,
होगा बिरद बदनाम फिकर फिर क्या करना....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27984/title/fikar-fir-kya-karna>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |